हिंदी शब्द संसाधन/हिंदी टंकण परीक्षा - जनवरी, 2020

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग

हिंदी शिक्षण योजना (परीक्षा स्कंध)

5

प्रश्न पत्र द्वितीय

बैच -I

समय : 10 मिनट पूर्णांक : 50

हमारे जीवन में त्योहारों का बहुत महत्व है। इनके बिना हमारा जीवन 66
नीरस और ऊब भरा हो जाता है। त्योहारों से हमारे जीवन में परिवर्तन और 137
उल्लास का संचार होता है। त्योहार किसी भी जाति और देश, उसके अतीत से 210
सम्बन्ध जोड़ने का भी उत्तम साधन हैं। जीवन में पग पग पर आने वाली 279
कठिनाइयों, तनाव और पीड़ा को भुलाने का साधन भी त्योहार ही हैं। यही कारण 358
है कि त्योहारों के अवसर सभी मानव हर्ष से झूम उठते हैं। 420

भारत देश त्योहारों का देश है। जहाँ पूरे साल भर त्योहार बड़े ही हर्ष और 499
उल्लास से मनाये जाते हैं। हमारे भारत देश में कई धर्मों के लोग एक साथ मिल 580
जुल कर त्योहारों को मनाते हैं। इतनी सारी विभिन्नताएं होने के बावजूद भी 656
सभी धर्मों और जातियों के लोग त्योहारों का लुत्फ़ लेते हैं। चाहे वह हिन्दुओं की 740
दीवाली और होली ही क्यों न हो, मुस्लिमों की ईद ही क्यों न हो, सिक्खों की 815
लोहड़ी ही क्यों न हो और ईसाइयों का क्रिशमस ही क्यों न हो। त्योहार शब्द 891
सुनते ही मन में हर्ष और उल्लास जाग जाता है, मन अपने आप ही प्रफुल्लित 966
हो उठता है। भारतीय अपने त्योहारों को विशेष महत्त्व देते हैं। त्योहारों को 1046
मनाने के लिए पहले से ही तैयारियां शुरू हो जाती हैं। किसी भी धर्म सम्प्रदाय 1128
के लोग हो, गांव हो या शहर, हर तरफ त्योहारों की होड़ लगी रहती है। भारत 1203
देश का हर एक त्योहार लोगों के प्रति प्रेम, एकता, हर्ष और उल्लास का सन्देश 1284
देता है। हर किसी त्योहारों से जुड़ी हुई कोई न कोई कहानी है जो हमारी 1354
परम्पराओं के अनुसार लम्बे समय से चली आ रही है। अपनी इस संस्कृति और 1428
परम्पराओं को यथावत रखने के लिए हमें त्योहारों को मनाते रहना चाहिए। 1501
त्योहार मनाने से हमारे घर-परिवार, आस-पड़ोस और मित्रों के बीच एक अच्छा 1576
माहौल बनता है। हमारे देश में जितने भी त्योहार मनाये जाते हैं, उन्हें मोटे तौर 1658
पर दो भागों में बांट सकते हैं। पहले वर्ग में धार्मिक त्योहार आते हैं। ईद, बड़ा 1743
दिन, दशहरा, दीपावली, होली, बसन्त पंचमी, कृष्ण जन्माष्टमी, रामनवमी, 1812
रक्षाबंधन, भैयादूज आदि त्योहार इसी वर्ग में आते हैं। दूसरे वर्ग में राष्ट्रीय पर्व 1900
हैं। इन पर्वों में गणतन्त्र दिवस, स्वतन्त्रता दिवस, गांधी जयन्ती, अध्यापक दिवस 1982
बलिदान दिवस प्रमुख हैं। 2008